अल्ट्रासाउंड परीक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

अल्ट्रासाउंड क्या है?

अल्ट्रासाउंड में उसी सिद्धांत का उपयोग होता है जो सोनार में होता है। अल्ट्रासाउंड प्रोब से ध्वनि तरंगें (मानव श्रवण सीमा से बहुत आगे की) गर्भाशय, गर्भनाल और शिशु से □करा कर लौ□ती हैं और प्रतिध्वनि का निर्माण करती हैं जिन्हें कंप्यू□र विस्तृत छवियों में बदलता है। संक्षेप में, अल्ट्रासाउंड परीक्षण शिशु और मां के श्रोणि-प्रदेश के अंगों की तस्वीरों की एक श्रंखला है।

क्या अल्ट्रासाउंड सुरक्षित है?

नैदानिक अल्ट्रासाउंड की सुरक्षा का गहन आकलन किया गया है। ऐसा कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है कि सामान्य शक्ति और आवृत्ति का प्रयोग करने पर नैदानिक अल्ट्रासाउंड मां या शिशु को कोई हानि पहुंचाता है। हमारी सुविधाओं में निम्नतम शक्ति स्तर का उपयोग कर अल्ट्रासाउंड परीक्षण किए जाते हैं जिनसे कोई सार्थक छवि प्राप्त हो सके।

क्या सामान्य अल्ट्रासाउंड से साबित हो सकता है कि मेरे शिशु को कोई असामान्यता नहीं होगी?

अल्ट्रासाउंड अनेक असामान्यताओं का पता लगा सकता है, लेकिन कुछ असामान्यताओं का पता इससे नहीं लग पाता है। परीक्षण शिशु और शिशु के अंगों के आकार और रूप की जानकारी देता है, लेकिन शिशु के अंगों की क्रिया के बारे में मुकम्मल सूचना नहीं देता या नहीं बताता कि बच्चा पूरी तरह से "स्वस्□" है। मंद बुद्धि जैसी मस्तिष्क की क्रियाओं के विकार का पता अल्ट्रासाउंड से नहीं लग सकता है। इसके अतिरिक्□, अनेक ऐसी स्थितियां हैं जो समय के साथ विकसित होती हैं और जो अल्ट्रासाउंड के समय सामान्य लगती हैं लेकिन गर्भावस्था में बाद में उभरती हैं।

आपको महसूस करना चाहिए कि पूर्ण अल्ट्रासाउंड परीक्षण से भी हम मौजूदा भ्रूण विकारों का या उन विकारों का पता लगाने में नाकाम रह सकते हैं जो गर्भावस्था में बाद में या जन्मोपरांत उभर सकते हैं। □□ □□□, अल्ट्रासाउंड परीक्षण एक बहुत उपयोगी नैदानिक उपाय है, लेकिन इसे ठोस सबूत नहीं माना जा सकता है कि शिशु सामान्य है।

अगर गुणसूत्रीय विकार हो तो क्या अल्ट्रासाउंड उसका पता लगा सकता है?

किसी अल्ट्रासाउंड परीक्षण का निष्कर्ष संभावित गुणसूत्रीय विकार का सूचक हो सकता है लेकिन वह निश्चयात्मक नहीं है। शिशु के गुणसूत्र के निश्चयात्मक आकलन का एकमात्र रास्ता वास्तव में एम्नियोसें□सिस, क्रोनियोनिक विल्लस सैंपलिंग या भ्रूण के रक्त का नमूना है। कुछ गर्भावस्थाओं को या तो माता की उम्र, या ब्लड स्क्रीनिंग जांच के नतीजे, या अल्ट्रासाउंड परीक्षण के कारण भ्रूणीय गुणसूत्रीय विकार का अधिक खतरा होता है। यह महसूस करना जरूरी है कि कोई अल्ट्रासाउंड परीक्षण निश्चयात्मक रूप से यह नहीं बता सकता कि शिशु की गुणसूत्र गणना सामान्य है या असामान्य। कोई सामान्य अल्ट्रासाउंड परीक्षण यह सुनिश्चित नहीं करता कि गुणसूत्र सामान्य हैं।

अगर अल्ट्रासाउंड के बारे में आपका कोई सवाल है तो कृपया अल्ट्रासाउंड □क्नोलोजिस्□, पेरीनै□लोजिस्□ या अपने डाक्□र से पूछने में नहीं हिचकिचाएं। आपसे आग्रह है कि आप अभिस्वीकृति के लिए अपने अल्ट्रासाउंड परीक्षण से पहले इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दें कि आपने इस परिपत्र में दी गई सूचनाओं को पढ़ा और समझा और आपको सवाल करने का अवसर दिया गया।

______________________________	____________________
रोगी/अभिभावक का हस्ताक्षर	तारीख
______________________________	____________________
मुद्रित नाम	जन्म तिथि